आतंकवाद के खलिाफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2022

प्रलिमि्स के लयि:

आतंकवाद के खलिाफ भारत का वार्षकि संकल्प, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौता, वत्तिीय कार्रवाई कार्य बल

मेन्स के लयि:

आतंकवाद में वृद्धि, संबंधति मुद्दे और इसके नरिाकरण हेतु उठाए जा सकने वाले आवश्यक कदम।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वैश्वकि आतंकवाद रोधी परषिद** (Global Counter Terrorism Council- GCTC) द्वारा **आतंकवाद के खलिाफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** (International Counter Terrorism Conference) 2022 का आयोजन कयिा गया।

- GCTC एक अंतर्राष्ट्रीय थकि-टैंक काउंसलि है, जसिका उद्देश्य दुनयिा भर में लोगों की आतंकवाद के प्रतसिुभेद्यता को कम करना, आतंकवादी गतविधियिों पर अंकुश लगाना, उनका मुकाबला करना और आतंकवाद के लयि उकसाने एवं आतंकी गतविधियिों के लयि भर्ती करने वालों पर मुकदमा चलाना है।
- इससे पूर्व वर्ष 2021 में आयोजति 13वें ब्रकि्स शखिर सम्मेलन में [ब्रकि्स आतंकवाद वरिोधी कार्य योजना] को अपनाया गया था।

प्रमुख बदिु

- **भारत द्वारा उठाए गए मुद्दे:**
  - **नए रलिजियिोफोबयिा (धार्मकि भय) का उदय:**
    - वशिेष रूप से हदिुओं, बौद्धों और सखिों के खलिाफ नए "धार्मकि भय" का उभरना गंभीर चतिा का वषिय है और ऐसे मुद्दों पर संतुलति चर्चा हेतु इसे क्रशि्चयिनोफोबयिा, इस्लामोफोबयिा और यहूदी-वरिोधी की तरह ही पहचानने की ज़रूरत है।
    - **रलिजियिोफोबयिा (Religiophobia):** यह धर्म, धार्मकि वशि्वासों, धार्मकि लोगों या धार्मकि संगठनों के प्रतविकिहीन या आसक्तपिूर्ण भय या चतिा है।
  - **आतंकवाद का वर्गीकरण:**
    - पछिले दो वर्षों में कई सदस्य राज्य आतंकवाद को नस्लीय और जातीय रूप से प्रेरति हसिक उग्रवाद, हसिक राष्ट्रवाद एवं दक्षणिपंथी उग्रवाद आदि जैसी **श्रेणयिों में वर्गीकृत करने का प्रयास** करते रहे हैं।
    - इसे **"खतरनाक" प्रवृत्ति** बताते हुए भारत ने कहा कि यह हाल ही में अपनाई गई [वैश्वकि आतंकवाद वरिोधी रणनीति] में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों द्वारा स्वीकार कयि गए कुछ स्वीकृत सद्धिांतों के खलिाफ है।
      - वैश्वकि आतंकवाद वरिोधी रणनीति में कहा गया है कि आतंकवाद के सभी रूपों एवं अभव्यिक्तयिों की नदिा की जानी चाहयि और आतंकवाद के कसिी भी कृत्य को उचति नहीं ठहराया जा सकता है।
- **आतंकवाद का मुकाबला करने हेतु भारत के प्रयास:**
  - [आतंकवाद के खलिाफ भारत का वार्षकि संकल्प:]
    - आतंकवाद वरिोधी मुद्दे पर भारत के वार्षकि संकल्प को **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** की पहली समति में सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
    - भारत, जो कि राज्य-प्रायोजति **[सीमा पार आतंकवाद]** से पीड़ति रहा है, आतंकवादी समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर वनिाशकारी हथयिारों के अधग्रिहण से अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न गंभीर खतरे को उजागर करने में सबसे आगे रहा है।
  - [अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौता (CCIT):]
    - बढ़ती आशंकाओं के बीच कि आतंकवादी फरि से अफगानस्तिान में नयिंत्रण स्थापति करेंगे और अफ्रीका में हमले तीव्र गति से होंगे, **भारत के वदिेश मंत्री ने हाल ही में सम्मेलन को अपनाने का आग्रह कयि है।**
      - वर्ष 1996 में आतंकवाद का मुकाबला करने के लयि एक बोधगम्य कानूनी ढाँचा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत ने UNGA को **'अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौता'** (Comprehensive Convention on International Terrorism-CCIT) को अपनाने का प्रस्ताव दयि था।

        - CCIT आतंकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा, विशेष कानूनों के तहत आतंकवादियों के खिलाफ मुकदमा चलाने, सीमा पार आतंकवाद को दुनिया भर में एक प्रत्यर्पण योग्य अपराध बनाने की मांग करता है।
    - वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF):
        - भारत FATF का सदस्य है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता हेतु मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण और अन्य संबंधित खतरों से निपटने के लिये मानक निर्धारित करना तथा कानूनी, नियामक एवं परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।
- **भारत में आतंकवाद**
    - **'गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) संशोधन अधिनियम'** भारत में लागू एक महत्त्वपूर्ण आतंकवाद विरोधी कानून है।
    - **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड** (NSG) एक अर्द्ध-सैनिक बल है जो मुख्य रूप से आतंकवाद रोधी और अपहरण रोधी अभियानों हेतु उत्तरदायी है।
    - भारत को कश्मीर, उत्तर-पूर्व और कुछ हद तक पंजाब में अलगाववादियों, मध्य, पूर्व-मध्य और दक्षिण-मध्य भारत में वामपंथी चरमपंथी समूहों से आतंकवाद का सामना करना पड़ रहा है।
    - भारत दुनिया में आतंकवाद से सबसे ज़्यादा प्रभावित देशों में से एक है।

आगे की राह

- आतंकवाद के खिलाफ युद्ध एक **कम तीव्रता वाला संघर्ष** या स्थानीय युद्ध है, इसे समाज के पूर्ण एवं निरंतर समर्थन के बिना प्रारंभ नहीं किया जा सकता है, अगर आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिये समाज के मनोबल और संकल्प में कमी आ जाए तो आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध की तीव्रता में कमी आ सकती है।
- भारत को अपनी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के प्रबंधन से संबंधित कई मुद्दों पर नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है, जैसे कि खुफिया तंत्र, आंतरिक सुरक्षा और सीमा प्रबंधन।
- सीमा सुरक्षा के पारंपरिक तरीकों को बढ़ाने और इनके पूरक विकल्प तलाशने के लिये तकनीकी समाधान आवश्यक है।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-counter-terrorism-conference-2022